कुल छपे पृष्ठों की संख्या - 6
कुल छपे प्रश्नों की संख्या - 23

A-51-29

नामांक

अर्द्ध वार्षिक परीक्षा सत्र 2017-2018

कक्षा— XII (बारहवीं)

विषय— हिन्दी अनिवार्य

समय : 3¼ घंटे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : (1) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य हैं।

(2) विद्यार्थी अपने नामांक प्रश्न-पत्र पर अनिवार्यतः लिखे।

(3) जिस प्रश्न के एक से अधिक भाग हैं, उन सभी भागों का उत्तर एक साथ ही लिखें, भिन्न-भिन्न दो स्थानों पर नहीं लिखें।

(4) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।

(5) प्रत्येक प्रश्न के अंक प्रश्न के सामने अंकित है।

खण्ड : क

1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4

आत्मसंयम ही चरित्र का सार है। जो मनुष्य आँखे सामने करके देखने की योग्यता रखता है, जो शांतचित्त और स्थिर है, कितना ही उत्तेजित किए जाने पर भी तनिक क्रोध नहीं करता वह आत्मसंयमी है और उसका यह 'आत्मसंयमीकरण' उसे इतनी शक्ति देता है जितनी और किसी बात से प्राप्त नहीं हो सकती। यह अनुभूति कि आप हर समय न किसी को अपने वश में कर सकते हैं अपितु आप हर समय अपने स्वामी रहते हैं तथा स्वयं को वश में रखते है।

अपने चरित्र को गौरवशाली बनाते और बल प्रदान करते हैं। आत्मसंयम की यह भावना आपके चरित्र को पुष्ट करती है, सभी ओर से उसे ऐसा सहारा देती है जो अन्य किसी गुण से नहीं प्राप्त हो सकता। जो मन इंद्रियों का स्वामी है, जो उन्हें अपने वश में रखता है वह सदा विधेयात्मक होता है। वह रचनात्मक और सृजनात्मक होता है। जो व्यक्ति सोचता है कि जब चाहे अपने मन को वश में कर लेगा, विशेषत: जब उसका किसी वस्तु में स्वार्थ होगा, वह व्यक्ति कभी आत्मसंयम में सफलता प्राप्त नहीं कर सकता।

वही मनुष्य आत्मसंयम में सफलता प्राप्त कर सकता है, जो अपने मन को हर समय अपने आदेश का पालन करने के लिए प्रशिक्षित करता है, जो मन को वश में करने का निरंतर अभ्यास करता है। आत्मसंयम ही मानव-जीवन को सफलता की मंजिल की ओर अग्रसर करता है। यदि मनुष्य में आत्मसंयम का अभाव हो तो वह अपने मार्ग से भटक सकता है अर्थात् मानव-जीवन में आत्मसंयम का गुण अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

कृ. पृ. उ.

(क) आत्मसंयमी व्यक्ति किसे कहते है? 1

(ख) "आत्म संयम ही चरित्र का सार है।" आशय स्पष्ट कीजिए। 1

(ग) उपरोक्त गद्यांश का सार बताते हुए उचित शीर्षक लिखिए। 1+1

2. निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4

नवीन कंठ दो कि मैं नवीन गान गा सकूँ,
स्वतंत्र देश की नवीन आरती सजा सकूँ।
नवीन दृष्टि का नया विधान आज हो रहा,
नवीन आसमान में विहान आज हो रहा,
खुली दसों दिशा खुले कपाट ज्योति द्वार के—
विमुक्त राष्ट्र-सूर्य आसमान आज हो रहा।
युगांत की व्यथा लिए अतीत आज रो रहा,
दिगंत में वसंत का भविष्य बीज बो रहा,
सुदीर्घ क्रांति झेल, खेल की ज्वलंत आग से—
स्वदेश बल सँजो रहा, कड़ी थकान खो रहा।
प्रबुद्ध राष्ट्र की नवीन वंदना सुना सकूँ,
नवीन बीन दो कि मैं अतीत गान गा सकूँ।
नए समाज के लिए नवीन नींव पड़ चुकी,
नए मकान के लिए नवीन ईंट गढ़ चुकी,
सभी कुटुंब एक, कौन पास, कौन दूर है—
नए समाज का हरेक व्यक्ति एक नूर है।
समर्थ शक्तिपूर्ण जो किसान या मजूर है।
भविष्य द्वार मुक्त से स्वतंत्र भाव से चलो,
मनुष्य बन मनुष्य के गले मिलो चले चलो,
समान भाव से प्रकाशवान सूर्य के तले—
समान रूप-गंध फूल-फूल से खिले चलो।

(क) कवि नवीन कंठ क्यों चाहता है? 1

(ख) अतीत क्यों रो रहा है? 1

(ग) 'नवीन नींव पड़ चुकी' का आशय स्पष्ट कीजिए। 1

(घ) प्रस्तुत काव्यांश में कवि क्या प्रेरणा दे रहा है? 1

खण्ड : ख

3. लिपि किसे कहते है? देवनागरी लिपि की दो विशेषताएँ बताए। 1

4. निम्नलिखित वाक्य में प्रत्येक रेखांकित पद का परिचय कीजिए : 1

   राम विद्यालय से आ गया।

5. 'दिल्ली भारत की राजधानी है।' वाक्य में किस शब्द शक्ति का प्रयोग हुआ है? उसकी परिभाषा भी लिखिए। 2

6. निम्नलिखित वाक्यांशों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम बताइए : 2

   (क) 'कमल समान मृदुल पग तेरे।'

   (ख) 'पानी गए न ऊबरे, मोती, मानुस, चून।'

7. निम्नलिखित प्रशासनिक शब्दावली का हिन्दी रूपांतर कीजिए : 2

   (क) Document (ख) Circular

   (ग) Postpone (घ) Treasury

8. राजस्थान सरकार के भाषा विभाग की ओर से कार्यालयों में हिन्दी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने बाबत् ज्ञापन का प्रारूप तैयार कीजिए। 2

9. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर लगभग 300 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए : 4

   (क) आतंकवाद : एक विश्वव्यापी समस्या

   (ख) मेक इन इंडिया से भारत में औद्योगिक क्रांति

   (ग) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्व

   (घ) राष्ट्रभाषा हिन्दी : वर्तमान स्थिति और भविष्य

खण्ड : ग

10. अधोलिखित पठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4

"आते समय मेरे एक सहयोगी ने कहा था कि कश्मीर के मुकाबले में उन्हें कौसानी ने अधिक मोहा है।

गाँधीजी ने यहीं अनासक्ति योग लिखा था और कहा था कि स्विट्‌जरलैण्ड का आभास कौसानी में ही होता है। ये नदी, घाटी, खेत, गाँव सुन्दर हैं किन्तु इतनी प्रशंसा के योग्य तो नहीं ही है। हम कभी-कभी अपना संशय शुक्लजी से भी व्यक्त करने लगे और ज्यों-ज्यों कौसानी नजदीक आता गया त्यों-त्यों अधैर्य, फिर असन्तोष और अंत में तो क्षोभ हमारे चेहरे पर झलक आया।

(क) गाँधीजी ने अनासक्ति योग कहाँ लिखा था? 1

(ख) लेखक को कौसानी प्रशंसा के योग्य क्यों नहीं लग रहा था? 1

(ग) कौसानी नजदीक आने पर लेखक क्या महसूस कर रहा था? 1

(घ) प्रस्तुत गद्यांश के लेखक तथा पाठ का नाम बताइए। 1

अथवा

अब इन लोगों की समझ में आया कि मामला यह है कि जो गिनता है, अपने को भूल जाता है। वही हाल मेरा हो रहा है कि मैंने घर की सोची, पड़ौसी की सोची, देश की सोची और यों समझों कि दुनिया की बातें सोची, पर अपनी बात भूल गया और कभी यह न सोचा कि आखिर मेरा मेरे प्रति क्या कर्त्तव्य है और क्या अधिकार है। आज में यही सोच रहा था कि तुम आ गए। कहो फिर, मैं गहरे चिन्तन में था या नहीं?

(क) उपरोक्त गद्यांश में क्या संदेश दिया गया है? 1

(ख) अपने कर्त्तव्य पालन के लिए क्या करना श्रेष्ठ है? 1

(ग) मनुष्य को सर्वप्रथम क्या सोचना चाहिए? 1

(घ) प्रस्तुत गद्यांश के लेखक तथा पाठ का नाम बताइए। 1

11. अधोलिखित पठित काव्यांश को पढ़कर दिए गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4

बार-बार आती है मुझको मधुर याद बचपन तेरी।
गया ले गया तू जीवन की सबसे मस्त खुशी मेरी॥
चिंता रहित खेलना-खाना वह फिरना निर्भय स्वच्छंद।
कैसे भूला जा सकता है, बचपन का अतुलित आनन्द॥
ऊँच-नीच का ज्ञान नहीं था, छुआ छूत किसने जानी।
बनी हुई थी वहाँ झोंपड़ी और चीथड़ों में रानी॥
रोना और मचल जाना भी क्या आनन्द दिलाते थे।
बड़े-बड़े मोती से आँसू जयमाला पहनाते थे॥

(क) बचपन की क्या-क्या विशेषताएँ ऐसी हैं जो आज भी याद आती हैं? 1

(ख) बचपन में किसका ज्ञान नहीं रहता है? 1

(ग) कवयित्री को बचपन के आँसू कैसे लगते हैं? 1

(द) इस काव्यांश की भाषा पर टिप्पणी लिखिए। 1

अथवा

प्रात नभ था बहुत नीला शंख जैसे
भोर का नभ
राख से लीपा हुआ चौक
(अभी गीला पड़ा है)
बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने।

(क) कवि ने नभ को राख से लीपा हुआ चौका क्यों कहा है? 1

(ख) उपरोक्त काव्यांश में किसका चित्रण किया गया है? 1

(ग) 'लाल केसर' तथा 'लाल खडिया चाक' के माध्यम से कवि क्या व्यक्त करना चाहता है? 1

(घ) उक्त काव्यांश के कलापक्ष पर टिप्पणी लिखिए। 1

12. 'बाजार दर्शन' के आधार पर 'बाजार के जादू' को स्पष्ट करते हुए उससे बचने के उपाय बताइए। 4

अथवा

ममता कहानी की प्रधान पात्र का चरित्र चिण्ण कीजिए।

13. भूषण के छंदों का मुख्य विषय क्या है? संकलित छंदों के आधार पर टिप्पणी लिखिए। 3

अथवा

'जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान' कबीर के इस कथन में निहित सन्देश को स्पष्ट कीजिए।

14. 'सूरदास' का परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाएँ लिखिए। 3

अथवा

'जयशंकर प्रसाद' का परिचय दीजिए।

15. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8

(क) 'उषा' कविता में कवि क्या सन्देश दे रहा है? 2

(ख) 'आशा' को कबीर ने क्या बताया है तथा इससे मुक्त होने का क्या उपाय बताया है? 2

(ग) लेखक ने किस समय बाजार न जाने की सलाह दी है? 2

(घ) ममता ने स्वर्ण मुद्राओं का उपहार लेने से मना क्यों कर दिया? 2

16. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2

(क) लेखक ने किसान को किसके समान बताया है? 1

(ख) मन की व्यथा दूसरों को बताने पर क्या परिणाम होता है? 1

खण्ड : घ

17. गाँधीजी ने सभ्य बनने के लिए जो प्रयोग किए, उन्हें अपने शब्दों में लिखिए। 4

अथवा

हल्दीघाटी की विशिष्टता का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

18. निम्न में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×2=6

(क) 'बोधिसत्व-पद्मपाणि' चित्र के बारे में देवी निवेदिता के विचार लिखिए।

(ख) 'जम्मा-जागरण' आन्दोलन के उद्देश्यों को स्पष्ट कीजिए।

(ग) गौरा को मृत्यु से बचाने के लिए लेखिका ने क्या-क्या प्रयत्न किए? संक्षेप में लिखिए।

(घ) 'उसने कहा था' कहानी की मूल संवेदना क्या है?

खण्ड : ङ

19. अखबार और टी.वी. के समाचार लेखन में क्या अन्तर है? 2

20. श्रव्य दृश्य माध्यमों के लिए फीचर लेखन से क्या तात्पर्य है? समझाइए। 2

21. एक अच्छे साक्षात्कार कर्ता के गुणों पर प्रकाश डालिए। 2

22. विज्ञान पत्रकारिता करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है? 2

23. डायरी क्यों लिखी जाती है? डायरी लेखन की कोई चार विशेषताएँ बताइए। 2

•••